

तितुस

1 यह ख़त पौलुस की तरफ़ से है जो अल्लाह का ख़ादिम और ईसा मसीह का रसूल है।

मुझे चुनकर भेजा गया ताकि मैं ईमान लाने और ख़ुदातरस ज़िंदगी की सच्चाई जान लेने में अल्लाह के चुने हुए लोगों की मदद करूँ।

2 क्योंकि उससे उन्हें अबदी ज़िंदगी की उम्मीद दिलाई जाती है, ऐसी ज़िंदगी की जिसका वादा अल्लाह ने दुनिया के ज़मानों से पेशतर ही किया था। और वह झूट नहीं बोलता।

3 अपने मुक़र्रर वक़्त पर अल्लाह ने अपने कलाम का एलान करके उसे जाहिर कर दिया। यही एलान मेरे सुपुर्द किया गया है और मैं इसे हमारे नजातदहिदा अल्लाह के हुक्म के मुताबिक़ सुनाता हूँ।

4 मैं तितुस को लिख रहा हूँ जो हमारे मुश्तरका ईमान के मुताबिक़ मेरा हकीकी बेटा है।

ख़ुदा बाप और हमारा नजातदहिदा मसीह ईसा आपको फ़ज़ल और सलामती अता करें।

क्रेते में तितुस की ख़िदमत

5 मैंने आपको क्रेते में इसलिए छोड़ा था कि आप वह कमियाँ दुस्स्त करें जो अब तक रह गई थीं। यह भी एक मक़सद था कि आप हर शहर की जमात में बुजुर्ग मुक़र्रर करें, जिस तरह मैंने आपको कहा था।

6 बुजुर्ग बेइलज़ाम हो। उस की सिर्फ़ एक बीबी हो। उसके बच्चे ईमानदार हों और लोग उन पर ऐयाश या सरकश होने का इलज़ाम न लगा सकें।

7 निगरान को तो अल्लाह का घराना सँभालने की ज़िम्मादारी दी गई है, इसलिए लाज़िम है कि वह बेइलज़ाम हो। वह ख़ुदसर, गुसीला, शराबी, लड़ाका या लालची न हो।

8 इसके बजाए वह मेहमान-नवाज़ हो और सब अच्छी चीज़ों से प्यार करनेवाला हो। वह समझदार, रास्तबाज़ और मुक़द्दस हो। वह अपने आप पर क़ाबू रख सके।

9 वह उस कलाम के साथ लिपटा रहे जो काबिले-एतमाद और हमारी तालीम के मुताबिक है। क्योंकि इस तरह ही वह सेहतबख्श तालीम देकर दूसरों की हौसलाअफजाई कर सकेगा और मुखालफत करनेवालों को समझा भी सकेगा।

10 बात यह है कि बहुत-से ऐसे लोग हैं जो सरकश हैं, जो फज़ूल बातें करके दूसरों को धोका देते हैं। यह बात खासकर उन पर सादिक आती है जो यहदियों में से हैं।

11 लाज़िम है कि उन्हें चुप करा दिया जाए, क्योंकि यह लालच में आकर कई लोगों के पूरे घर अपनी ग़लत तालीम से ख़राब कर रहे हैं।

12 उनके अपने एक नबी ने कहा है, “क्रेते के बाशिंदे हमेशा झूट बोलनेवाले, वहशी जानवर और सुस्त पेटू होते हैं।”

13 उस की यह गवाही दुस्त है। इस वजह से लाज़िम है कि आप उन्हें सख्ती से समझाएँ ताकि उनका ईमान सेहतमंद रहे

14 और वह यहदी फ़रज़ी कहानियों या उन इनसानों के अहकाम पर ध्यान न दें जो सच्चाई से हट गए हैं।

15 जो लोग पाक-साफ़ हैं उनके लिए सब कुछ पाक है। लेकिन जो नापाक और ईमान से खाली हैं उनके लिए कुछ भी पाक नहीं होता बल्कि उनका ज़हन और उनका ज़मीर दोनों नापाक हो गए हैं।

16 यह अल्लाह को जानने का दावा तो करते हैं, लेकिन उनकी हरकतें इस बात का इनकार करती हैं। यह धिनौने, नाफ़रमान और कोई भी अच्छा काम करने के काबिल नहीं हैं।

2

सेहतबख्श तालीम

1 लेकिन आप वह कुछ सुनाएँ जो सेहतबख्श तालीम से मुताबिकत रखता है।

2 बुजुर्ग मर्दों को बता देना कि वह होशमंद, शरीफ़ और समझदार हों। उनका ईमान, मुहब्बत और साबितकदमी सेहतमंद हों।

3 इसी तरह बुजुर्ग ख़वातीन को हिदायत देना कि वह मुक़द्सीन की-सी ज़िंदगी गुज़ारें। न वह तोहमत लगाएँ न शराब की गुलाम हों। इसके बजाए वह अच्छी तालीम देने के लायक हों

4 ताकि वह जवान औरतों को समझदार जिंदगी गुजारने की तरबियत दे सकें, कि वह अपने शौहरों और बच्चों से मुहब्बत रखें,

5 कि वह समझदार * और मुकद्दस हों, कि वह घर के फ़रायज़ अदा करने में लगी रहें, कि वह नेक हों, कि वह अपने शौहरों के ताबे रहें। अगर वह ऐसी जिंदगी गुज़ारें तो वह दूसरों को अल्लाह के कलाम पर कुफ़र बकने का मौक़ा फ़राहम नहीं करेंगी।

6 इसी तरह जवान आदमियों की हौसलाअफ़ज़ाई करें कि वह हर लिहाज़ से समझदार जिंदगी गुज़ारें।

7 आप खुद नेक काम करने में उनके लिए नमूना बनें। तालीम देते वक़्त आपकी खुलूसदिली, शराफ़त

8 और अलफ़ाज़ की बेइलज़ाम सेहत साफ़ नज़र आए। फिर आपके मुखालिफ़ शर्मिदा हो जाएंगे, क्योंकि वह हमारे बारे में कोई बुरी बात नहीं कह सकेंगे।

9 गुलामों को कह देना कि वह हर लिहाज़ से अपने मालिकों के ताबे रहें। वह उन्हें पसंद आएँ, बहस-मुबाहसा किए बग़ैर उनकी बात मानें

10 और उनकी चीज़ें चोरी न करें बल्कि साबित करें कि उन पर हर तरह का एतमाद किया जा सकता है। क्योंकि इस तरीक़े से वह हमारे नजातदहिदा अल्लाह के बारे में तालीम को हर तरह से दिलकश बना देंगे।

11 क्योंकि अल्लाह का नजातबख़्श फ़ज़ल तमाम इनसानों पर ज़ाहिर हुआ है।

12 और यह फ़ज़ल हमें तरबियत देकर इस काबिल बना देता है कि हम बेदीनी और दुनियावी खाहिशात का इनकार करके इस दुनिया में समझदार, रास्तबाज़ और खुदातरस जिंदगी गुज़ार सकें।

13 साथ साथ यह तरबियत उस मुबारक दिन का इंतज़ार करने में हमारी मदद करती है जिसकी उम्मीद हम रखते हैं और जब हमारे अज़ीम खुदा और नजातदहिदा ईसा मसीह का जलाल ज़ाहिर हो जाएगा।

14 क्योंकि मसीह ने हमारे लिए अपनी जान दे दी ताकि फ़िघा देकर हमें हर तरह की बेदीनी से छुड़ाकर अपने लिए एक पाक और मख़सूस क़ौम बनाए जो नेक काम करने में सरग़रम हो।

15 इन्हीं बातों की तालीम देकर पूरे इख़्तियार के साथ लोगों को समझाएँ और उनकी इसलाह करें। कोई भी आपको हक़ीर न जाने।

* 2:5 यूनानी लफ़्ज़ में ज़ब्ते-नफ़स का उनसूर भी पाया जाता है।

3

मसीही किरदार

1 उन्हें याद दिलाना कि वह हुक्मरानों और इस्त्रियारवालों के ताबे और फरमाँबरदार रहें। वह हर नेक काम करने के लिए तैयार रहें,

2 किसी पर तोहमत न लगाएँ, अमनपसंद और नरमदिल हों और तमाम लोगों के साथ नरममिज़ाजी से पेश आएँ।

3 क्योंकि एक वक़्त था जब हम भी नासमझ, नाफरमान और सहीह राह से भटके हुए थे। उस वक़्त हम कई तरह की शहवतों और ग़लत ख़ाहिशों की गुलामी में थे। हम बुरे कामों और हसद करने में ज़िंदगी गुज़ारते थे। दूसरे हमसे नफ़रत करते थे और हम भी उनसे नफ़रत करते थे।

4 लेकिन जब हमारे नजातदहिदा अल्लाह की मेहरबानी और मुहब्बत ज़ाहिर हुई

5 तो उसने हमें बचाया। यह नहीं कि हमने रास्त काम करने के बाइस नजात हासिल की बल्कि उसके रहम ही ने हमें रूहुल-कुद्स के वसीले से बचाया जिसने हमें धोकर नए सिरे से जन्म दिया और नई ज़िंदगी अता की।

6 अल्लाह ने अपने इस रूह को बड़ी फ़ैयाज़ी से हमारे नजातदहिदा ईसा मसीह के वसीले से हम पर उंडेल दिया

7 ताकि हमें उसके फ़ज़ल से रास्तबाज़ करार दिया जाए और हम उस अबदी ज़िंदगी के वारिस बन जाएँ जिसकी उम्मीद हम रखते हैं।

8 इस बात पर पूरा एतमाद किया जा सकता है।

मैं चाहता हूँ कि आप इन बातों पर ख़ास जोर दें ताकि जो अल्लाह पर ईमान लाए हैं वह ध्यान से नेक काम करने में लगे रहें। यह बातें सबके लिए अच्छी और मुफ़ीद हैं।

9 लेकिन बेहूदा बहसों, नसबनामों, झगड़ों और शरीअत के बारे में तनाज़ों से बाज़ रहें, क्योंकि ऐसा करना बेफ़ायदा और फ़ज़ूल है।

10 जो शख्स पार्टीबाज़ है उसे दो बार समझाएँ। अगर वह इसके बाद भी न माने तो उसे रिफ़ाक़त से ख़ारिज करें।

11 क्योंकि आपको पता होगा कि ऐसा शख्स ग़लत राह पर है और गुनाह में फँसा हुआ होता है। उसने अपनी हरकतों से अपने आपको मुजरिम ठहराया है।

आखिरी हिदायत

12 जब मैं अरतिमास या तुखिकुस को आपके पास भेज दूँगा तो मेरे पास आने में जल्दी करें। मैं नीकुपुलिस शहर में हूँ, क्योंकि मैंने फैसला कर लिया है कि सर्दियों का मौसम यहाँ गुज़ासूँ।

13 जब जेनास वकील और अपुल्लोस सफ़र की तैयारियाँ कर रहे हैं तो उनकी मदद करें। खयाल रखें कि उनकी हर ज़रूरत पूरी की जाए।

14 लाज़िम है कि हमारे लोग नेक काम करने में लगे रहना सीखें, खासकर जहाँ बहुत ज़रूरत है, ऐसा न हो कि आख़िरकार वह बेफल निकलें।

15 सब जो मेरे साथ हैं आपको सलाम कहते हैं। उन्हें मेरा सलाम देना जो ईमान में हमसे मुहब्बत रखते हैं।

अल्लाह का फ़ज़ल आप सबके साथ होता रहे।

किताबे-मुकद्दस

**The Holy Bible in the Urdu language, Urdu Geo
Version, Hindi Script**

Copyright © 2019 Urdu Geo Version

Language: उर्दू (Urdu)

This translation is made available to you under the terms of the Creative Commons Attribution-Noncommercial-No Derivatives license 4.0.

You may share and redistribute this Bible translation or extracts from it in any format, provided that:

You include the above copyright and source information.

You do not sell this work for a profit.

You do not change any of the words or punctuation of the Scriptures.

Pictures included with Scriptures and other documents on this site are licensed just for use with those Scriptures and documents. For other uses, please contact the respective copyright owners.

2024-09-20

PDF generated using Haiola and XeLaTeX on 1 Jul 2025 from source files dated 20 Sep 2024

a1ee0020-7263-5fce-8289-9d7a7ac2d299